भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *194

जिसका उत्तर 04 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

.....

नदियों को परस्पर जोड़ना

***194. श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया:**

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार भविष्य में भारतीय नदियों को परस्पर जोड़ने पर काम कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेंद्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'नदियों को परस्पर जोड़ना' विषय पर पूछे गए दिनांक 04.07.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *194 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) अगस्त, 1980 में तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (अब जल शक्ति मंत्रालय) ने अंतर बेसिन जल अंतरण के जरिए जल संसाधनों के विकास हेतु एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी जिसका उद्देश्य जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में जल अंतरण करना है। एनपीपी के अंतर्गत, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने साध्यता रिपोर्ट (एफआर) तैयार करने हेतु 30 नदी जोड़ों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 तथा हिमालयी घटक के तहत 14) की पहचान की है। उपर्युक्त नदी जोड़ परियोजनाओं का ब्यौरा, अर्थात नदी, संबंधित राज्यों का नाम **अनुलग्नक** में दिया गया है।

एनपीपी के तहत, प्रायद्वीपीय नदी घटक अर्थात केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना (केबीएलपी), दमनगंगा-पिंजाल नदी जोड़ परियोजना, पार-तापी-नर्मदा नदी जोड़ परियोजना और गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ परियोजना के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु चार प्राथमिक नदी जोड़ परियोजनाओं की भी पहचान की गई है। संबंधित राज्यों की सहमति के आधार पर, केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना (केबीएलपी) (चरण-I, चरण-II तथा व्यापक), दमनगंगा-पिंजाल नदी जोड़ परियोजना तथा पार-तापी-नर्मदा नदी जोड़ परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है और संबंधित राज्यों को भेज दी गई है।

इसके अतिरिक्त, गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ परियोजना जिसमें तीन नदी जोड़ हैं अर्थात गोदावरी (इच्चमपल्ली/जनमपेट)-कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला), पेन्नार (सोमासिला)-कावेरी (ग्रैंड एनीकट) नदी जोड़ परियोजनाओं की प्रारूप विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी कर ली गई है और मार्च, 2019 में सभी राज्य पक्षकारों को परिचालित कर दी गई है।

केबीएलपी चरण-I के तहत घटकों के लिए, चरण-II वन स्वीकृति और माननीय उच्चतम न्यायालय की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति से स्वीकृति को छोड़कर विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियां प्रदान कर दी गई है। केबीएलपी चरण-II के तहत प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए स्वीकृतियां अंतिम चरण में हैं। केबीएलपी की व्यापक डीपीआर पूरी कर ली गई है और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश सरकार को

परिचालित कर दी गई है। केबीएलपी के कार्यान्वयन हेतु समझौता ज्ञापन का मसौदा सहमति हेतु मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार को भेज दिया गया है।

सरकार एक परामर्शदात्री स्वरूप में नदियों को आपस में जोड़ने (आईएलआर) कार्यक्रम पर तेजी से कार्य कर रही है। नदियों को आपस में जोड़ने संबंधी कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु माननीय मंत्री जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण (अब जल शक्ति मंत्रालय) की अध्यक्षता में "नदियों को आपस में जोड़ने के लिए एक विशेष समिति" सितंबर, 2014 में गठित की गई। नदियों को आपस में जोड़ने के लिए इस विशेष समिति की अब तक 15 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं (इसकी अंतिम बैठक 20.08.2018 को की गई थी)। इसके अतिरिक्त, अप्रैल, 2015 में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के द्वारा नदियों को आपस में जोड़ने के लिए एक विशेष कार्यदल भी गठित किया गया है। नदियों को जोड़ने के लिए इस कार्यदल की अब तक 10 बैठकें की गई हैं और अंतिम बैठक 05.10.2018 को की गई थी। वैकल्पिक योजनाएं विकसित करने के साथ-साथ अग्रिम चरणों में चल रही परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु एक रोडमैप स्थापित करते हुए आम सहमति बनाने के लिए जोरदार प्रयास किए गए हैं।

*****

अनुलग्नक

"नदियों को परस्पर जोड़न" विषय पर दिनांक 04.07.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *194 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

अंतर-बेसिन जल अंतरण नदी जोड़ों के नाम, शामिल राज्य, नदियों के नाम और साध्यता रिपोर्टो/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की स्थिति

क्र.सं.	नदी जोड़	नदियां	संबंधित राज्य	साध्यता रिपोर्ट/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की स्थिति
प्रायद्वीपीय घटक				
1	महानदी (मणिभद्रा)-गोदावरी (दोलेश्वरम) जोड़	महानदी और गोदावरी	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्णाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट (एफआर) पूरी की गई
2	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (पुलीचिंताल) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
3	गोदावरी (इंचमपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुन सागर) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
4	गोदावरी (पोलावरम)-कृष्णा (विजयवाड़ा) जोड़	गोदावरी और कृष्णा	ओडिशा, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
5	कृष्णा (अलमत्ती)- पेन्नार जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
6	कृष्णा (श्रीसैलम)-पेन्नार जोड़	कृष्णा और पेन्नार	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
7	कृष्णा (नागार्जुन सागर)-पेन्नार (सोमासिला) जोड़	कृष्णा और पेन्नार	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
8	पेन्नार (सोमसिला)-कावेरी (ग्रैण्ड एनीकट) जोड़	पेन्नार और कावेरी	आन्ध्र प्र , कर्नाटक, तमिलनाडु केरल और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
9	कावेरी (कट्टालाई)-वैगई-गुन्डार जोड़	कावेरी, वैगाई और गुंडार	कर्नाटक, तमिलनाडु केरल, और पुदुच्चेरी	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
10	केन-बेतवा जोड़	केन और बेतवा	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (चरण-I एवं II) पूरी की गई
11	पार्वती-कालीसिंध-चंबल जोड़	पार्वती, कालीसिंध व चंबल	मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश ने सहमति बनाने के स विचार-विमर्श करने अनुरोध किया)	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
12	पार-तापी-नर्मदा जोड़	पार, तापी और नर्मदा	महाराष्ट्र और गुजरात	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी की गई

13	□□□□□-**पिंजाल जोड़**	दमनगंगा और पिंजाल	-वही-	साध्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी की गई
14	बेदती-वर्दा जोड़	बेदती और वर्दा	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
15	नेत्रावती-हेमावती जोड़	नेत्रावती और हेमवती	कर्नाटक , तमिलनाडु और केरल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
16	पंबा-अच्चनकोविल-वैप्पार जोड़	पंबा, अचनकोविल और वैप्पार	केरल और तमिलनाडु	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
हिमालयी घटक				
1.	मानस-सनकोस-तीस्ता-गंगा (एम-एस-टी-जी) जोड़	मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा	असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और भूटान	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
2.	कोसी-घाघरा जोड़	कोसी और घाघरा	बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई
3.	गंडक-गंगा जोड़	गंडक और गंगा	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
4.	घाघरा-यमुना जोड़	घाघरा और यमुना	-वही-	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
5.	शारदा-यमुना जोड़	शारदा और यमुना	बिहार, उत्तर , हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और नेपाल	साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई (भारतीय भाग)
6.	यमुना-राजस्थान जोड़	यमुना और सुकरी	उत्तर , गुजरात, हरियाणा और राजस्थान	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
7.	राजस्थान-साबरमती जोड़	साबरमती	-वही-	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
8.	चुनार-सोन बैराज जोड़	गंगा और सोन	बिहार और उत्तर प्रदेश	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
9.	सोन बांध-गंगा जोड़ की दक्षिणी उपनदियां	सोन और बदुआ	बिहार और झारखंड	पूर्व साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई है।
10.	गंगा(फरक्का)-दामोदर-सुबर्णरेखा जोड़	गंगा, दामोदर और सुबर्णरेखा	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
11.	सुबर्णरेखा-महानदी जोड़	सुबर्णरेखा और महानदी	पश्चिम बंगाल और ओडिशा	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
12.	कोसी-मेची जोड़	कोसी और मेची	बिहार, पश्चिम बंगाल और नेपाल	साध्यता पूर्व रिपोर्ट पूरी की गई, पूरी तरह से नेपाल में पड़ता है
13.	गंगा (फरक्का)-सुंदरबन जोड़	गंगा और इच्छामती	पश्चिम बंगाल	प्रारूप साध्यता रिपोर्ट पूरी की गई
14.	जोगीघोपा-तीस्ता-फरक्का जोड़ (एम-एस-टी-जी का विकल्प)	मानस, तिस्ता व गंगा	-वही-	(एम-एस-टी-जी जोड़ का विकल्प) छोड़ दिया गया ।

- पीएफआर-साध्यता पूर्व रिपोर्ट
- एफआर-साध्यता रिपोर्ट
- डीपीआर-विस्तृत परियोजना रिपोर्ट